PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ४

# जुगाड़ से जादू

**Author:** Ajit Narra
**Illustrator:** Arkapriya Koley
**Translator:** Sandhya Gandhi

लाजो का गाँव कोसी नदी के तट पर है।

वैसे तो लाजो को बारिश बहुत पसंद है, पर इस साल बरसात हद से ज़्यादा हुई।

जब बारिश रुकती है तो लाजो की जान में जान आती है।

पर यह क्या? पानी तो तट तोड़कर गाँव में घुस रहा है! देखते-देखते पूरा गाँव मटमैले पानी की बाढ़ में डूबने लगता है।

लाजो बहुत डर जाती है।

बाबू चिल्लाते हैं, “चलो, चलो सब, अभी के अभी! चल लाजो! हमें कहीं ऊँची जगह जाकर आसरा लेना होगा।”

कीचड़ से सने पानी में चलना आसान नहीं। सैनिकों की मदद से सब किसी तरह पास के एक टीले पर पहुँचते हैं। उनके अड़ोसी-पड़ोसी भी वहाँ जमा हो रहे हैं।

“हाय! मैं गुड़िया पीछे छोड़ आई,” लाजो रोने लगती है।

लाजो की गुड़िया हमेशा उसके साथ रहती है, पर बाबू कहते हैं कि जब तक हालात नहीं सुधरते, कोई भी वापस नहीं लौटेगा।

दूसरे दिन लाजो फिर से गुड़िया ले आने की बात छेड़ती है।

इस बार उसे माई से डाँट खानी पड़ती है, “चुप भी हो जाओ लाजो! हमारा घर तीन हाथ पानी तले है, पीने का पानी ख़त्म होने को है और तुम हो जो गुड़िया की रट लगाए हो!”

“चिंता मत कर बिटिया, तेरी गुड्डी को कुछ न होगा,” दादू उसे तसल्ली देते हैं, “चल आ मेरे साथ। एक नया खेल सिखाता हूँ तुझे।”

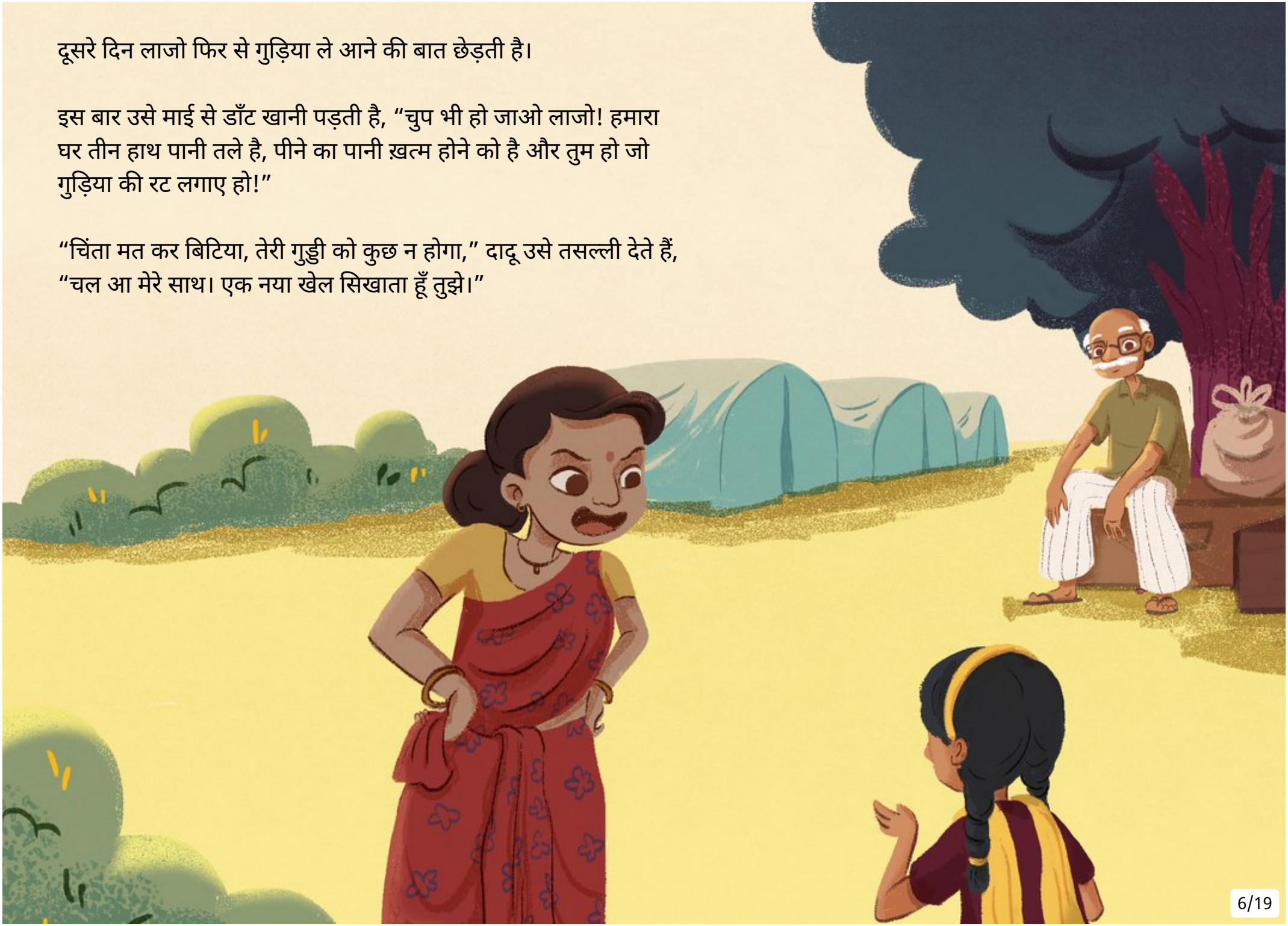

“कैसा खेल?” लाजो का मन बहल जाता है।

“इस खेल को जुगाड़ से जादू कहता हूँ मैं। मेरी बताई चीज़ें तुम्हें यहाँ-वहाँ से इकट्ठा करनी हैं। जब तुम सब चीज़ें जुटा लोगी तो मैं कुछ जुगाड़ करूँगा और तुम्हें एक मज़ेदार जादू दिखाऊँगा।”

दादू की सूची

लाजो पहले भागती है माई के पास।
“अब क्या?” माई थकी आवाज़ में पूछती हैं, “प्यास लगी है? पीने का पानी तो ख़त्म हो चुका है।”

“ना माई, बाबू ने एक घूँट पिलाया। मुझे सूती कपड़े का एक टुकड़ा दोगी? दादू माँग रहे हैं,” लाजो पूछती है।

अतिरिक्त कपड़ा न होने की वजह से माई अपनी धोती का एक छोर फाड़कर उसे देती हैं। “मेरी प्यारी माई, मेरी सबसे अच्छी माई,” कहते हुए लाजो भागती है वहाँ से।

बाबू एक पुरानी बाल्टी ढूँढ़ निकालते हैं। उसमें रेत भरते-भरते लाजो इतराती है, “तीन चीज़ें तो जुट भी गईं!”
10/19

लाजो का दोस्त प्रतीक पूछता है, “पानी है क्या लाजो? गला सूख रहा है।”

“नहीं भई, सब ख़त्म हो गया।”

“कोई बात नहीं,” प्रतीक कहता है, “तुम कुछ ढूँढ़ रही हो क्या?”

“कुछ बजरी, कुछ कंकड़,” लाजो कहती है।

“वहाँ देखो, एक ढेर पड़ा है।” प्रतीक दिखाता है।

अब रही सिर्फ़ दो चीज़ें!

लाजो गाँव के बढ़ई के पास जाती है, “फ़िक्सरबाबा, मैं आपकी हथौड़ी और छेदना कुछ देर के लिए ले लूँ?”
“काहे को बिटिया?” वे पूछते हैं।

“दादू को चाहिए। हमारे एक खेल के लिए,” लाजो बताती है।
“सब लोग भूख-प्यास से तड़प रहे हैं और तुम्हारे दादू को खेल की सूझी है,” बड़बड़ाते हुए वे हथौड़ी और छेदना देते हैं, “सलामत लौटाना!”

“दादू, हो गया काम! अब करो जुगाड़, बताओ जादू!”
लाजो बड़ी खुश है।
दादू मुस्कुराकर करते हैं जुगाड़ शुरू।

पहले हथौड़ी और छेदने की मदद से
बाल्टी के तले में एक छेद बनाते हैं।

फिर उस पर बिछाते हैं रेत।

“लाजो, रेत पर बजरी बिछाने में मेरी मदद करोगी?” दादू पूछते हैं।

लाजो बटोरे हुए ढेर से बड़े-बड़े कंकड़ चुनकर अलग करती है और बाल्टी में रेत के ऊपर बजरी की एक परत बिछाती है।

फिर दादू और लाजो उस पर कंकड़ की परत बिछाते हैं।
“अब देखो,” कहते हुए दादू एक बोतल नदी का गंदला, मटमैला पानी बाल्टी में उड़ेलते हैं।

“अब क्या होगा?” लाजो हैरान है।
“देखो तो सही!” दादू मुस्कुराते हैं।

कुछ ही देर में बाल्टी के तले में बने सुराख़ से साफ़ पानी चूने लगता है, जो दादू एक गिलास में जमा करते हैं।

देखो, हमने जुटाई चीज़ों से किया जुगाड़ और बनाई एक छलनी जिसमें निथरकर गंदला पानी साफ़ हो गया। है, ना जादू! बस इसे उबालो और पियो! चलो और पानी निथारते हैं!

माई और बाबू बहुत खुश हैं। माई पानी उबालती हैं और सब पानी पीते हैं।

“वाह लाजो, अच्छा जुगाड़ किया तुम दोनों ने!” सब उन्हें सराहते हैं।

अगले दिन नावों में खाना-पानी आदि लेकर सैनिक गाँव वालों की मदद के लिये आते हैं।

एक नाव में लाजो के लिये कुछ ख़ास चीज़ है!

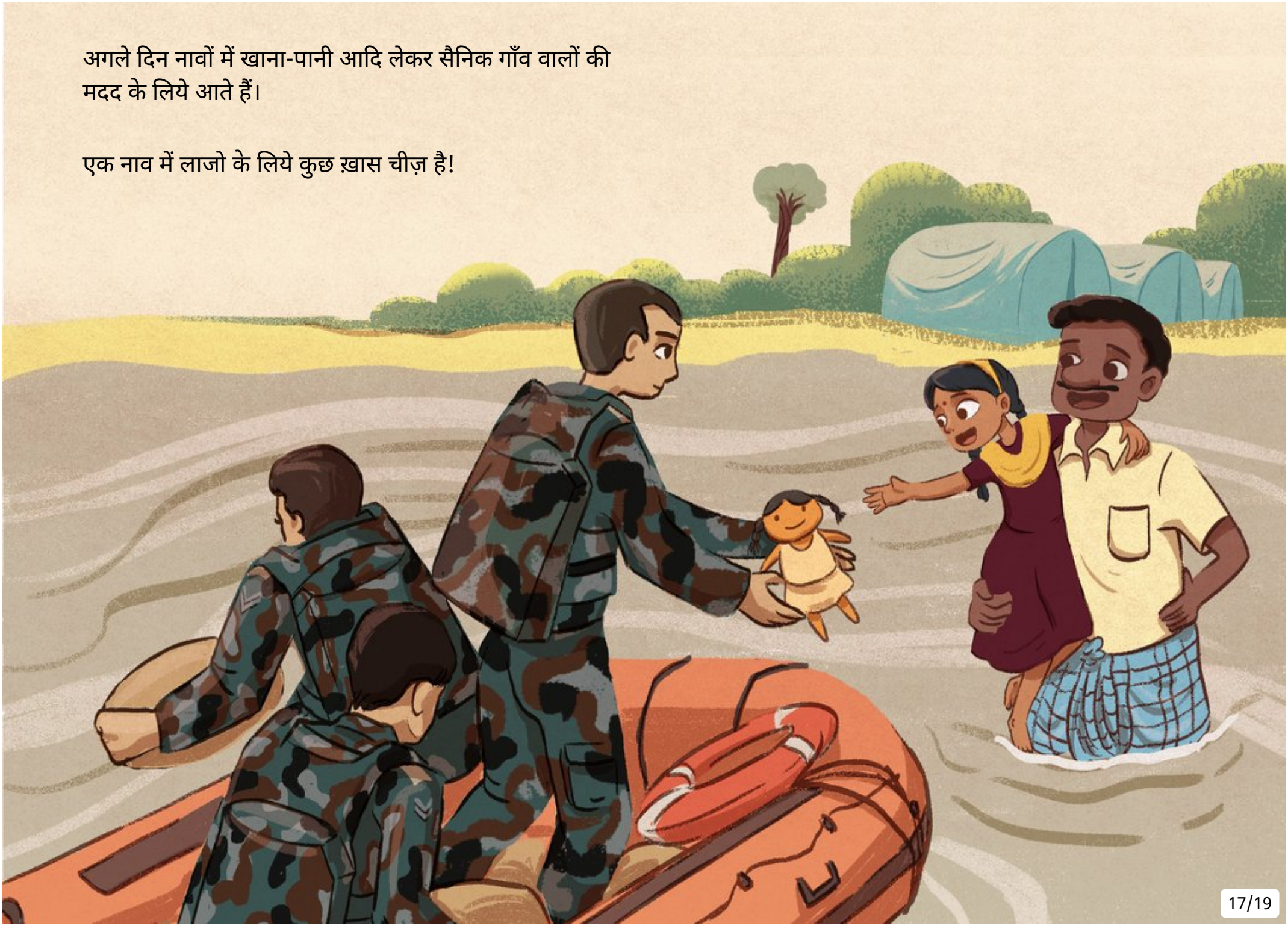

# पानी की छलनी

आप भी जुटाइये कुछ सामान और कीजिये जुगाड़!

आपको चाहिए:

- प्लास्टिक की एक बोतल
- एक कैंची
- एक साफ़ रुमाल
- थोड़ी रेत
- कुछ बजरी
- कुछ कंकड़

# तरीका

1. कैंची से बोतल का तला काटिये।
2. कैंची की नोक से बोतल के ढक्कन में छोटा सा छेद कीजिये और ढक्कन फिर से लगा दीजिये।
3. बोतल पर अंदाजन 1/4, 1/2 और 3/4 भाग पर निशान लगाइये।
4. बोतल उलटकर उसमें रुमाल भरिये।
5. उस पर 1/4 निशान तक रेत भरिये।
6. उस पर 1/2 निशान तक बजरी और 3/4 निशान तक कंकड़ भरिये।
7. अब उस पर गंदला पानी उड़ेलिये। ढक्कन के छेद से साफ़ पानी छनकर निकलने लगेगा।

याद रहे, पानी में अब कचरा नहीं है, सो पानी साफ़ दिखता है। पर उबालने से कीटाणु मरने के बाद ही वह पीने लायक बनेगा।

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

## Story Attribution:

This story: जुगाड़ से जादू is translated by Sandhya Gandhi . The © for this translation lies with Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'The Scavenger Hunt', by Ajit Narra . © Pratham Books , 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

## Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle. Guest Editor for the original language: Karishma Mahbubani, Guest Art Director: Nafisa Nandini Crishna. www.prathambooks.org

## Images Attributions:

Cover page: Girl looking at piece of a paper, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Girl looking out of a window, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Girl standing on stool during flood, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: People walking through water during a flood, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Men building tent, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Woman scolding a girl, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: An old man and girl looking at a piece of paper, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl reading from a piece of paper, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Girl talking to woman, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Man holding a bucket, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

The development of this book has been supported by Oracle.

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

## Images Attributions:

Page 11: Girl collecting pebbles, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Man talking to a girl, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Girl sitting watching her grandfather, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Pebbles in a bucket, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Old man holding a bucket, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: People are celebrating, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Army men on a boat, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Scissor and water bottle, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: A bucket and glass, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

The development of this book has been supported by Oracle.

# जुगाड़ से जादू

(Hindi)

दादू का खेल जीतने के लिए लाजो को उनकी बताई सभी चीजें ढूँढ़ निकालनी है। घर के लोग सोच रहें हैं, दादू इस बेचारी को ऐसे संकटकाल में यह सब भला क्यों करवा रहे हैं।

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!